MPS – 004 IMPORTANT QUESTIONS

WITH ANSWERS

FOR DECEMBER 2024

TOPIC:1

Characteristics of Civil Society and its Relation with the State

Civil society is an important part of a healthy democracy, helping to shape government policies, promote justice, and keep the government accountable. It consists of organizations, groups, and movements that are not controlled by the government or businesses. Civil society includes NGOs, community groups, cultural associations, and social movements. The relationship between civil society and the state can be both cooperative and challenging, depending on the situation.

नागरिक समाज की विशेषताएँ और राज्य के साथ उसका संबंध

नागरिक समाज स्वस्थ लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो सरकारी नीतियों को आकार देने, न्याय को बढ़ावा देने और सरकार को जिम्मेदार ठहराने में मदद करता है। इसमें ऐसी संस्थाएँ, समूह और आंदोलन होते हैं जिन्हें सरकार या व्यापार का नियंत्रण नहीं होता। नागरिक समाज में गैर-सरकारी संगठन, समुदायिक समूह, सांस्कृतिक संघ और सामाजिक आंदोलन शामिल होते हैं। नागरिक समाज और राज्य के बीच संबंध कभी सहयोगात्मक तो कभी चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, जो स्थिति पर निर्भर करता है।

1. Voluntary Participation

- **Civil Society**:
  Civil society is based on voluntary participation, where people freely choose to join groups or organizations that match their interests and beliefs. These groups are formed by people who share common goals and want to work together to achieve them.
- **Relation with the State**:
  Civil society can sometimes challenge the state when people organize movements or protests to demand changes. When the state is not

Scholarly Minds

fulfilling its responsibilities, civil society often steps in to raise awareness and hold the government accountable.

1. स्वैच्छिक भागीदारी

- **नागरिक समाज**:
  नागरिक समाज स्वैच्छिक भागीदारी पर आधारित है, जिसमें लोग स्वतंत्र रूप से उन समूहों या संगठनों से जुड़ते हैं जो उनके हितों और विश्वासों से मेल खाते हैं। ये समूह उन लोगों द्वारा बनते हैं जो समान लक्ष्यों को साझा करते हैं और उन्हें प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं।
- **राज्य के साथ संबंध**:
  नागरिक समाज कभी-कभी राज्य को चुनौती दे सकता है, जब लोग आंदोलन या प्रदर्शन आयोजित करके बदलाव की मांग करते हैं। जब राज्य अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी नहीं कर रहा होता है, तब नागरिक समाज जागरूकता बढ़ाने और सरकार को जिम्मेदार ठहराने में मदद करता है।

2. Diversity and Pluralism

- **Civil Society**:
  Civil society includes many different types of groups, such as political parties, cultural organizations, religious groups, and social movements. This diversity allows for many different views and interests to be represented in society.
- **Relation with the State**:
  The diversity in civil society can sometimes cause conflicts with the state. The state may have to deal with different groups with different opinions, and some civil society groups may demand changes that challenge the government. However, a good democracy should listen to all of these different voices.

2. विविधता और बहुलतावाद

- **नागरिक समाज**:
  नागरिक समाज में विभिन्न प्रकार के समूह शामिल होते हैं, जैसे राजनीतिक दल, सांस्कृतिक संगठन, धार्मिक समूह और सामाजिक आंदोलन। यह विविधता समाज में विभिन्न दृष्टिकोणों और हितों का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देती है।
- **राज्य के साथ संबंध**:
  नागरिक समाज में विविधता कभी-कभी राज्य के साथ संघर्ष का कारण बन सकती है। राज्य को विभिन्न विचारों वाले समूहों से निपटना पड़ता है, और कुछ नागरिक

Scholarly Minds

समाज समूह ऐसे बदलाव की मांग कर सकते हैं जो सरकार को चुनौती देते हैं। हालांकि, एक अच्छे लोकतंत्र को इन सभी विभिन्न आवाजों को सुनना चाहिए।

3. Accountability and Advocacy

- **Civil Society**:
  Civil society plays a major role in holding the government accountable. It does this by raising awareness about important issues, organizing protests, and pressuring the government to do the right thing. Civil society helps make sure that the government listens to the people.
- **Relation with the State**:
  The relationship between civil society and the state can sometimes be tense. Civil society groups often criticize the government and demand transparency and justice. While the government might feel pressure from these groups, it can also work with civil society to improve policies and services.

3. जवाबदेही और वकालत

- **नागरिक समाज**:
  नागरिक समाज सरकार को जवाबदेह ठहराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, प्रदर्शन आयोजित करके और सरकार पर सही काम करने के लिए दबाव डालकर ऐसा करता है। नागरिक समाज यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि सरकार लोगों की सुनें।
- **राज्य के साथ संबंध**:
  नागरिक समाज और राज्य के बीच संबंध कभी-कभी तनावपूर्ण हो सकते हैं। नागरिक समाज समूह अक्सर सरकार की आलोचना करते हैं और पारदर्शिता और न्याय की मांग करते हैं। जबकि सरकार इन समूहों से दबाव महसूस कर सकती है, वह नागरिक समाज के साथ मिलकर नीतियों और सेवाओं में सुधार भी कर सकती है।

4. Autonomy

- **Civil Society**:
  Civil society operates independently of the government and businesses. This independence allows it to act as a counterbalance to the power of the state. Civil society can speak out against government actions, especially when it feels that people’s rights are being ignored or violated.

Scholarly Minds

- **Relation with the State**:
  The independence of civil society can sometimes lead to conflict with the state. Governments may try to limit the power and freedom of civil society groups, especially those that oppose government policies. However, a strong civil society is necessary to keep the state in check and protect the rights of citizens.

4. स्वायत्तता

- **नागरिक समाज**:
  नागरिक समाज राज्य और व्यवसायों से स्वतंत्र रूप से काम करता है। यह स्वतंत्रता इसे राज्य की शक्ति के मुकाबले एक संतुलन के रूप में कार्य करने की अनुमति देती है। नागरिक समाज सरकार के कार्यों के खिलाफ आवाज़ उठा सकता है, खासकर जब यह महसूस करता है कि लोगों के अधिकारों की अनदेखी या उल्लंघन हो रहा है।
- **राज्य के साथ संबंध**:
  नागरिक समाज की स्वतंत्रता कभी-कभी राज्य के साथ संघर्ष का कारण बन सकती है। सरकारें नागरिक समाज समूहों की शक्ति और स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश कर सकती हैं, खासकर जब वे सरकार की नीतियों का विरोध करते हैं। हालांकि, एक मजबूत नागरिक समाज राज्य को संतुलित रखने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए आवश्यक है।

ScholarMinds

TOPIC: 2

Liberal Approach to Nationalism

- **Emphasis on Individual Rights and Freedom**:
  The liberal approach to nationalism focuses on individual rights, freedoms, and equality. It views nationalism as a natural force that promotes liberty and democratic values. Nationalism, from a liberal perspective, is seen as a way for individuals within a nation to secure their rights and participate in the democratic process.
- **Role of the State**:
  Liberals believe that the state should protect the rights of individuals and promote the well-being of all its citizens. The state is seen as a neutral entity that ensures equality before the law, and nationalism is

seen as a way to unite people under a shared sense of identity and citizenship.

- **Inclusive Nationalism**:
  The liberal approach is often inclusive, emphasizing the idea that a nation is defined by its democratic institutions and commitment to the rights of all individuals, regardless of ethnicity, religion, or social background.

लिबरल दृष्टिकोण से राष्ट्रीयता

- **व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रता पर जोर**:
  लिबरल दृष्टिकोण में राष्ट्रीयता को व्यक्तिगत अधिकारों, स्वतंत्रताओं और समानता पर आधारित माना जाता है। इसे एक प्राकृतिक शक्ति माना जाता है, जो स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देती है। लिबरल दृष्टिकोण से राष्ट्रीयता को इस रूप में देखा जाता है कि यह एक राष्ट्र के भीतर व्यक्तियों को उनके अधिकार प्राप्त करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर देती है।
- **राज्य की भूमिका**:
  लिबरल सोच में राज्य को व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और सभी नागरिकों की भलाई को बढ़ावा देना चाहिए। राज्य को एक तटस्थ संस्था के रूप में देखा जाता है, जो कानून के सामने समानता सुनिश्चित करता है, और राष्ट्रीयता को साझा पहचान और नागरिकता के तहत लोगों को एकजुट करने का तरीका माना जाता है।
- **समावेशी राष्ट्रीयता**:
  लिबरल दृष्टिकोण में राष्ट्रीयता अक्सर समावेशी होती है, यह विचार करते हुए कि एक राष्ट्र को उसके लोकतांत्रिक संस्थानों और सभी व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता से परिभाषित किया जाता है, चाहे उनकी जाति, धर्म या सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो।

Marxist Approach to Nationalism

- **Focus on Class Struggle**:
  The Marxist approach views nationalism through the lens of class struggle. Marxists argue that nationalism is often used as a tool by the ruling class to distract and divide the working class. Nationalism, in this view, is seen as a way to promote the interests of the capitalist or ruling elite while keeping the working class focused on issues of national identity rather than class-based issues.
- **Oppression and National Liberation**:
  While Marxists acknowledge that nationalism can be a tool of

ScholarMinds

oppression, they also recognize its potential for national liberation, especially in colonized or oppressed regions. In such cases, Marxists argue that nationalism can serve as a means of resisting imperialism and promoting the rights of the oppressed working class.

- **Economic Base and Superstructure**:
  Marxists emphasize the relationship between the economic base and the superstructure in the study of nationalism. They argue that national identity is shaped by the economic system in place and that nationalism is a product of the economic base, influenced by the interests of the ruling class.

मार्क्सवादी दृष्टिकोण से राष्ट्रीयता

- **वर्ग संघर्ष पर ध्यान केंद्रित**:
  मार्क्सवादी दृष्टिकोण राष्ट्रीयता को वर्ग संघर्ष के परिपेक्ष्य में देखता है। मार्क्सवादी यह तर्क करते हैं कि राष्ट्रीयता अक्सर शासक वर्ग द्वारा श्रमिक वर्ग को भटकाने और बांटने के एक उपकरण के रूप में उपयोग की जाती है। इस दृष्टिकोण में राष्ट्रीयता को शासक या पूंजीवादी वर्ग के हितों को बढ़ावा देने का तरीका माना जाता है, जो श्रमिक वर्ग को राष्ट्रीय पहचान के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करवा कर वर्ग आधारित मुद्दों से भटका देता है।
- **दमन और राष्ट्रीय मुक्ति**:
  जबकि मार्क्सवादी यह मानते हैं कि राष्ट्रीयता दमन का एक उपकरण हो सकती है, वे इसके राष्ट्रीय मुक्ति के लिए संभावनाओं को भी पहचानते हैं, खासकर उपनिवेशित या उत्पीड़ित क्षेत्रों में। ऐसे मामलों में, मार्क्सवादी यह तर्क करते हैं कि राष्ट्रीयता साम्राज्यवाद के खिलाफ प्रतिरोध और उत्पीड़ित श्रमिक वर्ग के अधिकारों को बढ़ावा देने का एक साधन हो सकती है।
- **आर्थिक आधार और अधिरचना**:
  मार्क्सवादी राष्ट्रीयता के अध्ययन में आर्थिक आधार और अधिरचना के बीच संबंध पर जोर देते हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रीय पहचान उस समय के आर्थिक प्रणाली से प्रभावित होती है और राष्ट्रीयता आर्थिक आधार का उत्पाद है, जो शासक वर्ग के हितों द्वारा प्रभावित होती है।

Comparison of Liberal and Marxist Approaches to Nationalism

- **Views on the State**:
  Liberals see the state as a neutral entity that protects individual rights and promotes democracy. Marxists, on the other hand, view the state as an instrument of the ruling class, used to maintain control and suppress the working class.

ScholarlyMinds

- **Role of Nationalism**:
  Liberals believe that nationalism can unite people and promote democratic values, while Marxists argue that nationalism is often manipulated to maintain class divisions and the power of the capitalist elite. However, Marxists also acknowledge that nationalism can be a tool for resistance in oppressed societies.
- **Inclusivity vs. Class Struggle**:
  Liberal nationalism tends to be inclusive, focusing on the idea of equal rights for all people, regardless of background. Marxist nationalism, however, emphasizes the struggle of the working class and views nationalism as a tool for class struggle, often used to unite workers against the capitalist class.

लिबरल और मार्क्सवादी दृष्टिकोण में तुलना

- **राज्य के प्रति दृष्टिकोण**:
  लिबरल राज्य को एक तटस्थ संस्था मानते हैं जो व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करती है और लोकतंत्र को बढ़ावा देती है। जबकि मार्क्सवादी राज्य को शासक वर्ग का एक उपकरण मानते हैं, जिसका उपयोग नियंत्रण बनाए रखने और श्रमिक वर्ग को दमन करने के लिए किया जाता है।
- **राष्ट्रीयता की भूमिका**:
  लिबरल मानते हैं कि राष्ट्रीयता लोगों को एकजुट कर सकती है और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा दे सकती है, जबकि मार्क्सवादी यह तर्क करते हैं कि राष्ट्रीयता अक्सर वर्ग विभाजन और पूंजीवादी अभिजात वर्ग की शक्ति बनाए रखने के लिए हेरफेर की जाती है। हालांकि, मार्क्सवादी यह भी स्वीकार करते हैं कि राष्ट्रीयता उत्पीड़ित समाजों में प्रतिरोध का एक साधन हो सकती है।
- **समावेशिता बनाम वर्ग संघर्ष**:
  लिबरल राष्ट्रीयता समावेशी होती है, जो सभी लोगों के समान अधिकारों पर जोर देती है, चाहे उनका पृष्ठभूमि कुछ भी हो। जबकि मार्क्सवादी राष्ट्रीयता को श्रमिक वर्ग के संघर्ष के रूप में देखते हैं और इसे वर्ग संघर्ष का एक उपकरण मानते हैं, जो अक्सर श्रमिकों को पूंजीवादी वर्ग के खिलाफ एकजुट करता है।

CHECK DESCRIPTION FOR MORE .

Scholarly Minds